वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 229 | रविवार 17 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पीएम मोदी ने की विकसित भारत अभियान की लॉन्चिंग, सीएम बोले-जवाबदेही तय होगी

जयपुर के महारानी कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जयपुर जिले के लाभार्थी यहां पहुंचे। हालांकि कार्यक्रम में देरी की वजह से पीएम के संबोधन के समय कुर्सियां खाली हो गई। इस दौरान सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जन—जन की आवाज बनेंगे। पीएम ने गरीब, किसान सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए जो योजनाएं शुरू की हैं, उसका लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति को मिले, इसकी जवाबदेही तय होगी।

जयपुर. कासं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विकसित भारत अभियान की लॉन्चिंग की। राजस्थान, मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में पीएम मोदी ने वर्चुअल तरीके से अभियान का आगाज किया। इस दौरान पीएम ने पूर्व में जिन जगहों पर अभियान शुरू किया जा चुका है, वहां के लाभार्थियों से संवाद भी किया। जयपुर के महारानी कॉलेज में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जयपुर जिले के लाभार्थी यहां पहुंचे। हालांकि कार्यक्रम में देरी की वजह से पीएम के संबोधन के समय कुर्सियां खाली हो गई। इस दौरान सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जन—जन की आवाज बनेंगे। पीएम ने गरीब, किसान सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए जो योजनाएं शुरू की हैं, उसका लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति को मिले, इसकी जवाबदेही तय होगी। सीएम ने कहा कि केंद्र की योजनाओं में जो सूची में है उन्हें कितना लाभ मिला है और बचे हुए पात्र को

योजनाओं का लाभ मिले। इसकी भी जवाबदेही तय होगी। इसके लिए एक कमेटी का गठन कर दिया गया हैं पिछली बार जो किसान इस सूची से वंचित रह गए, इस यात्रा के माध्यम से वह भी इस सूची में शामिल होंगे। कार्यक्रम में सांसद रामचरण बोहरा, विधायक कालीचरण सराफ, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य, कैलाश वर्मा, महेंद्र पाल मीणा, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर, हैरिटेज नगर निगम महापौर मुनेश गुर्जर, मुख्य सचिव उषा शर्मा सहित अनेक अधिकारी और नेता मौजूद रहे।

भाजपा जो कहती है वह करती है...

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के उत्थान और बालिकाओं के विकास के लिए कृत संकल्प है। महिला और बालिका सुरक्षित रहें, इस दिशा में हमारी सरकार काम करेगी। प्रदेश में जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम किया जाएगा। भाजपा जो कहती वह करती है। उन्होंने कहा कि हमारा घोषणा पत्र पूरी तरह से सरकारी दस्तावेज है। हमारी सरकार गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। मोदीजी जो कहते हैं वो करते हैं।

हरी झंडी, केसरिया झंडी दिखाकर रथ रवाना

इस दौरान पीएम ने मोदी ने वर्चुअल तरीके से अभियान के रथों को रवाना किया गया। इस बार हरी नहीं बल्कि केसरियां झंडी दिखाकर सीएम ने रथों को रवाना किया। ये रथ पूरे प्रदेशभर में चलकर हर गांव-ढाणी में जाएंगे। इस दौरान नए रजिस्ट्रेशन के साथ केंद्र की 17 योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देंगे। जयपुर शहर में 6 एवं जयपुर ग्रामीण में 8 मोबाइल वैन भारत सरकार के विभिन्न विभागों की 17-17 योजनाओं का प्रचार करेंगी एवं लाभार्थियों से संवाद करेंगी। योजनाओं के लाभार्थियों को चिन्हित किया जाएगा।

जयपुर एयरपोर्ट पर केंद्रीय कानून मंत्री ने गाए भजन

खुश होकर जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज ने गले लगाया, खुद भी गुनगुनाने लगे

जयपुर. कासं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का जयपुर एयरपोर्ट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज को भजन गाकर सुना रहे हैं। अर्जुन मेघवाल ने खुद अपने एक्स(ट्विटर) अकाउंट पर इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा- 'प्रभु मेरे अवगुण चित ना धरो; समदर्शी प्रभु नाम तिहारो, चाहो तो पार करो। यानी हे ईश्वर हे मेरे आराध्य देव मेरी कमजोरियों पर मेरे अवगुणों पर ध्यान न दें, उन्हें उन पर विचार न करें चित्त में प्रवेश न दें। श्रीगुरू चरणों में सादर प्रणाम। दरअसल, देश के कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जयपुर एयरपोर्ट पर जगद्गुरू रामभद्राचार्य महाराज से

मिले थे। मेघवाल ने मुलाकात का 2 मिनट 58 का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें अर्जुन मेघवाल ने रामभद्राचार्य को बीकानेरी राग में भजन गाकर सुना रहे हैं। मेघवाल को भजन गाते सुन राम भद्राचार्य महाराज खुश हो गए। मेघवाल के साथ ही 'प्रभु मेरे अवगुण चित ना धरो' गनगुनाने लगे। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के भजन गायन के सोशल मीडिया यूजर्स भी फैन हो गए। एक ने लिखा कि बहुत ही शानदार सांसद जी। वहीं, एक दूसरे यूजर रोहिल ने भी जय श्री राम का नारा लिख मेघवाल की हौसला अफजाई की। इसी तरह आसिफ आजमी ने लिखा- भक्ति और सुर दोनों कमाल के हैं। कमाल करते हो मंत्री जी। वहीं, डॉक्टर राम सारस्वत ने लिखा कि आपकी हरफनमौला कार्य शैली सबको कायल बनाती है। एक और यूजर ने कहा- राजस्थान में रिखिया बहुत प्रसिद्ध है। बाबा रामदेव जी के भजन गाते हैं। अर्जुनराम मेघवाल ने प्यारा भजन गाया है। लोक संस्कृति जिंदाबाद। बता दें कि अर्जुन राम मेघवाल ने 'ओ बेजो रणुकार में चाले' भजन गाया था। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल अपनी भजन गायकी के लिए भी पहचाने जाते हैं।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक द्वारा तीर्थ क्षेत्र दर्शन यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सम्यक ग्रुप सचिव डॉ इन्द्र कुमार जैन ने बताया कि दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक के सदस्यों द्वारा आज 16 दिसंबर 2023 को धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम निर्धारित किया गया था । 5 दिवसीय यात्रा कार्यक्रम में ग्रुप के 13 सदस्यों द्वारा आज सर्वप्रथम नारेली स्थित जिनालयों के दर्शन किये गए। इसके बाद नाडोल, नाड लाई, मुच्छल महावीर, फालना, भीनमाल, पावापुरी, जिरावाला पार्श्वनाथ, माउंट आबू, व तारंगा जी के दर्शन का कार्यक्रम है। सम्यक ग्रुप के अध्यक्ष महावीर-लक्ष्मी बोहरा, सचिव डॉ इन्द्र कुमार-स्नेह जैन, संरक्षक महावीर-शकुंतला बिंदायका, कोषाध्यक्ष मुकेश-कल्पना शाह, सुनील सीमा ठोलिया, महेश-सरला जैन आदि सदस्यों ने धार्मिक यात्रा में भाग ले रहे हैं।

जो इंद्रिय सुख में लीन हो जाता है वह आत्मिक से कोसों दूर हो जाता है : श्री विकसंत सागर

लार टीकमगढ़. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन लार टीकमगढ़ मे श्रामणोपाध्याया श्री 108 विकसंत सागर महाराज जी ससंघ की भव्य अगवानी की गई।उपाध्य श्री ने श्रावकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि हे ज्ञानी जहां सुख है वहां सुख खोज नहीं रहा है जहां है नहीं वहां खोज रहा है। तू ही बता तुझे सुख कैसे मिलेगा? तेरी सुई गिरी है तेरे घर में वहां अंधेरा है तो तू बाहर प्रकाश में खोज रहा है,अरे भोले प्राणी! बाहर प्रकाश में ढूंढने से सुई नहीं मिलेगी जहां सुई है वही प्रकाश कर तो तुझे सुई मिल जाएगी।उसी तरह सुख तेरी आत्मा में है वहां पर मिथ्यात्व का अंधकार होने के कारण से खोज नहीं रहा, बाहर इंद्रियों के प्रकाश में सुख खोज रहा है,वहां पर मिलेगा ही नहीं तू अंदर सम्यग्ज्ञान की ज्योति जला ले तो तुझे आत्मिक सुख दिखाना प्रारंभ हो जायेग फिर सम्यक चारित्र से उसे प्राप्त कर लेना। खुश रहना ही जिंदगी का सबसे बड़ा सुख है।चिंता में जीना जिंदगी का सबसे बड़ा दुःख है। अतः चिंता को छोड़कर खुश रहना सीखो इसी में तू सुःखी रहेगा।अन्यथा चिंता में जीने वाला व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता है क्योंकि चिंता में जीने वाला व्यक्ति खुश रह ही नहीं सकता है और खुश नहीं रहना ही तो दुख का प्रमाण है।अतःकिसी भी प्रकार की चिंता मत करो। इंद्रिय सुख पराधीन है और पराधीनता में सुख है ही नहीं तथा बाधा सहित है तथा क्षणिक है बंध का कारण है इसलिए इंद्रिय सुख सुख नही दुख ही है। इंद्रीय सुख को छोड़कर आत्मिक सुख का पुरुषार्थ करो। इंद्रिय सुख में राई के दाने बराबर तो सुख और सुमेरु पर्वत के बराबर दुख होता है यह जानते हुए भी यह अज्ञानी प्राणी उसी सुख में लीन रहता है यह सबसे बड़ा आश्चर्य है।

संस्था उड़ान फाउंडेशन द्वारा सिविल अस्पताल में किए भोजन वितरण किया

अंबाह. शाबाश इंडिया। जरूरतमंद लोगों की मदद करने से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं होता। ऐसे लोगों की मदद करने के लिए समाज के हर वर्ग को आना चाहिए। यह बात शनिवार को आम जन के सेवार्थ समाज सेवी संस्था उड़ान फाउंडेशन द्वारा सिविल अस्पताल में किए भोजन वितरण कार्यक्रम में समाजसेवी श्रीमती अंजली मोहन गुप्ता कह रही थी। इससे पहले फाउंडेशन के सदस्यों ने सिविल अस्पताल में भर्ती मरीज व उनके परिजन को भोजन वितरण किया। फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने अस्पताल में मौजूद सभी भर्ती मरीजों के हाल-चाल जाने और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहने की सलाह दी। यह आयोजन समाजसेवी अंजली गुप्ता, मोहन गुप्ता, के सहयोग से आयोजित किया गया। भोजन वितरण करने वालों में श्रीमती गीता गुप्ता,मयंक गुप्ता, गिरीश गुप्ता,अंजली गुप्ता आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

अमूल्यमती माताजी ससंघ का हुआ थूवोनजी में मंगल प्रवेश

तीर्थ क्षेत्र हमें धर्म का सन्देश देते हैं: आर्यिका श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम शिष्या आर्यिका रत्न श्री अमूल्य मति माताजी ससंघ आर्यिका श्री आज्ञा मति माताजी आर्यिका अलोलमति मति माताजी आर्यिका श्री अवायमति माताजी ससंघ का आज प्रातः काल की वेला में श्री दिगंबर जैन दर्शनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र थूबोनजी में मंगल प्रवेश हुआ जहां क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टिंगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल प्रचार मंत्री विजयधुर्रा आडिटर राजीव चन्देरी जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद प्रमोद एडवो सन्तोष सिघई पप्पू धानू सहित अन्य भक्तों ने अगवानी की।

आये हुए भक्तो का दर्शनोदय कमेटी अभिनन्दन करती है

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहाकि आचार्य श्री के आशीर्वाद से माताजी ससंघ का वर्षा योग मुंगावली नगर में हुआ था माताजी पिपरई होते हुए पधारीं है इतनी बड़ी संख्या में भक्तों का काफिला साथ आया है हम आप सभी का दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी की ओर से स्वागत करते हैं पूर्व में भी कमेटी आप जहां विराजमान थे वहां कमेटी पहुंची रही इस दौरान महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि थूवोनजी में रोज रोज भक्तो दारा भगवान के अभिषेक शान्ति धारा की जाती है ये सब मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज की कृपा का प्रसाद है।

कमेटी ने किया श्री फल भेंट

दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल प्रचार मंत्री विजय धुर्रा आडिटर राजीव चन्देरी प्रमोद वकील सन्तोष सिघई पप्पू धानू सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए इस दौरान मुंगावली सेवा दल के अध्यक्ष काली मोदी गोलू सिघई भूरा भइया पारस जैन सहित अन्य भक्तों का कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान आर्यिका रत्न श्री अमूल्य मति माताजी ने कहा कि धर्म रुपी रथ के दो पहिए हैं। श्रावक धर्म और श्रमण धर्म श्रावक धर्म से ही श्रमण धर्म चलेगा ।श्रावक संस्कार वान होगा तो संस्कृति सुरक्षित रहेगी तव ही ये तीर्थ क्षेत्र सुरक्षित रहेंगे थूवोनजी पहले आये थे तो पाषाण ही पाषाण नजर आते थे आज चारों ओर हरियाली ही हरियाली नजर आ रही है ये हरियाली ही दिखा रहीं हैं कि कमेटी ने बहुत काम किया पत्थर पर पेड़ यूं ही नहीं लग जाते इसके लिए आप लोगों ने भरपूर प्रयास किया।

धर्म भारत मां और जात वंदेमातरम: बिट्टा

वर्द्धमान कॉलेज के वार्षिक समारोह में देशभक्ति कार्यक्रम देखकर भावुक हुए एआईएटीएफ अध्यक्ष। मिस यूनिवर्सल ग्रैंड ने रैंप पर दिखाया जलवा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर । अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष मनिन्दरजीत सिंह बिट्टा ने कहा कि जिस देश की संस्कृति और धर्म में ताकत होती है वो देश कभी कमजोर नहीं होता। वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय एक ऐसा संस्थान है, जहां मानवता है, सेवा है, संस्कार है और राष्ट्र भक्ति है। भारत देश के जवान सिर पर मौत का कफन बांधकर सरहद पर हमारे राष्ट्र की रक्षा कर रहे हैं। सैनिकों का सदैव सम्मान होना चाहिए। उन्होंने श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। राष्ट्रभक्त बिट्टा ने कहा कि मेरा धर्म भारत मां और मेरी जात वंदेमातरम है। पूरी दुनिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके आगे मां लगता है। इसकी रक्षा करना जवानों के साथ हर नागरिक का कर्तव्य है। शहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अशफाकउल्ला खान ने इस हिन्दुस्तान की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने हर्ष प्रकट किया कि श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति की ओर से संचालित शिक्षण संस्थानों में बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार दिए जा रहे हैं। यहां ऐसी शिक्षा दी जा रही है जिससे छात्राएं भविष्य में रोजगार कर आत्मनिर्भर बन सकें। चेन्नई से पधारे कार्यक्रम अध्यक्ष शोभा खेतपालिया एवं विशिष्ट अतिथि सुनील खेतपालिया ने विचार प्रकट करते हुए खुशी जताई कि उन्हें महाविद्यालय के विकास में सहभागी बनने का अवसर मिला। समिति अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख, प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा, अकादमिक प्रभारी नीलम लोढ़ा ने राजस्थानी परंपरा अनुसार अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। वार्षिक समारोह में जब महाविद्यालय की छात्राओं ने भारतीय सेना पर आधारित देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया तो उसे देखकर एआईएटीएफ अध्यक्ष बिट्टा भावुक हो गए। शीतल रात में आयोजित समारोह में कॉलेज छात्राओं के साथ मिस यूनिवर्सल ग्रैंड इंडिया खिताब विजेता मिस विप्रा मेहता ने भी रैंप पर जलवा दिखाया। सोलह श्रृंगार कर दुल्हन की तरह सजी छात्राएं जब सतरंगी रोशनी से सजे रैंप पर वॉक कर रहीं थी तो ऐसा लगा मानों अप्सराएं धरा पर उतर आईं हों। छात्राओं ने सुमधुर बैंड की स्वर लहरियां भी बिखेरी। नृत्य प्रस्तुति के दौरान भारत के विभिन्न प्रांतों की विविध संस्कृति को प्रस्तुत किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौतमचंद बोहरा, गौतम गोखरू, प्रकाश गदिया, रमेशचंद मेड़तवाल, दीपचंद कोठारी, चंदूलाल कोठारी, वैभव सकलेचा, दुलराज मकाणा समेत देशभर से पधारे अतिथि, अभिभावक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सार्थक सिनेमा के 'सारथी' नीरज पांडे

जयपुर. शाबाश इंडिया। बतौर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक 'राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार', सर्वश्रेष्ठ फिल्म के लिए 'स्टार स्क्रीन अवॉर्ड' और बेस्ट स्टोरी एंड डायलॉग राइटर के तौर पर 'आईफा अवॉर्ड' से नवाजे गए टैलेंटिड राइटर-डायरेक्टर नीरज पांडे का आज जन्मदिन है। बेशक.....अगर झोली में अवेडनसडे, स्पेशल 26, बेबी, नाम शबाना, रूस्तम और अय्यारी जैसी क्रिटीकली एक्लेम्ड फिल्में हों तो सम्मान मिलना लाजमी है। अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'फ्रीलांसर' से चर्चा में आए नीरज पांडे ने दिल्ली में रहकर जो सीखा उसे मुम्बई जाकर आजमाया और आजमाइश के इस रंग ने पहली ही फिल्म से इनके फिल्मी करियर को बुलंदियों पर पहुंचा दिया। साल 2008 में आई इनकी पहली फिल्म 'अ वेडनसडे' को न सिर्फ.दर्शकों ने, बल्कि समीक्षकों ने भी खूब सराहा। अपनी पहली ही फिल्म में नसीरूद्दीन शाह और अनुपम खेर जैसे धुरंधरों को निर्देशित करना और उनसे सराहना पाना वाकई काबिले-तारीफ है। बकौल नसीर साहब- वेडनसडे जैसे सब्जेक्ट और उन पर काम करने वाले डायरेक्टर बॉलीवुड में बहुत कम हैं और नीरज पांडे उनमें से एक हैं। पांडे यहीं नहीं रूके, अपितु अलहदा विषय और चुनिंदा एक्टर्स के साथ काम करने का उनका तरीका आज भी कायम है। जिसमें मनोज वाजपेयी, केके मेनन, विनय पाठक, पवन मल्होत्रा, नसीरूद्दीन शाह, अनुपम खेर और अक्षय कुमार जैसे मंझे हुए अभिनेताओं की एक लम्बी फेहरिस्त है। अपनी पहली फिल्म से पहले नीरज ने टीवी के लिए काफी काम किया।17 दिसंबर 1973 को बिहार के आरा शहर में जन्मे नीरज पांडे एक लेखक भी हैं और 2013 में आया उनका उपन्यास 'गालिब डेंजर' खासा चर्चित हुआ था। इतना ही नहीं आपने अपनी अधिकतर फिल्मों की कहानी और संवाद भी खुद लिखे हैं। फिल्मों का ये प्रतिभाशाली किरदार हमें सिखाता है कि आपकी बरसों की मेहनत एक दिन खूबसूरत कामयाबी के रूप में एक दिन आपसे जरूर मिलती है। नीरज कहते हैं कि अपना पैशन फॉलो करें। उस फील्ड में आने वाले बदलावों से अपडेट रहें और आगे बढ़ें। ओटीटी के इस दौर में जहां एक तरफ फूहड़ भाषा, अश्लीलता और हिंसा को ही जिस युवा पीढ़ी ने सिनेमा समझ लिया है, उस तथाकथित 'यंग जनरेशन' को नीरज पांडे अपनी सारगर्भित कहानियों के जरिए सिनेमा की सही तस्वीर दिखाते हैं.....और हां इसके लिए इन्हें ना तो किसी तरह के भौंडेपन की जरूरत पड़ती है और ना ही किसी गाली की। विविधरंगी व्यक्तित्व के धनी नीरज पांडे को आज उनके जन्मदिन पर अनंत शुभकामनाएं। **रिपोर्ट : ओमपाल सीलन, उदयपुर**

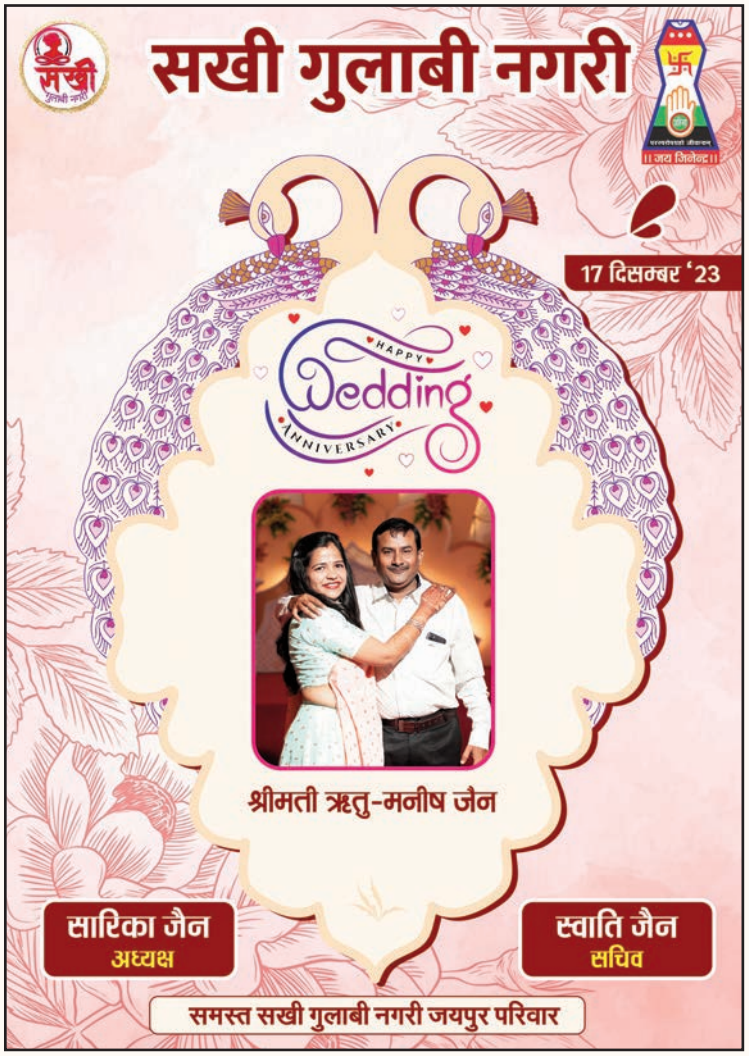

वेद ज्ञान

मानवता में वृद्धि करने वाला हो विकास

विकास आज सबसे अधिक चर्चित शब्द है। प्रायः सभी लोगों को इसके बाह्य आकर्षण के प्रति आंदोलित हुए देखा जा सकता है। बड़ा व सुविधायुक्त घर, गाड़ी, आभूषण व विलासिता की अन्य वस्तुओं का संग्रह विकास के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। जबकि विकास का व्यावहारिक पक्ष अत्यन्त सादगीपरक व जीवन की मूलभूल आवश्यकताओं के उपभोग तक सीमित होना चाहिए। विकास की सत्यता को सद्गुणों, सद्विचारों पर चलने वाला ही समझ पाता है। प्रतिदिन मानवीय जीवन में एक नवीन व कल्याणकारी विचार को स्थान दिया जाए तो विकास है। शिक्षा के गुणसूत्र विद्यार्थी जीवन में भलीभांति प्रतिष्ठित होते हैं तो समाज को श्रेष्ठ विचारक मिलेंगे। विचारकों का दृष्टिकोण विकास के प्रति सदैव संतुलित रहता है। वे विकास को बढ़ाने वाले ज्ञान-विज्ञान के पक्षधर होते हैं। जहां ज्ञान-विज्ञान का विस्तार अभिशापित होना प्रारंभ हुआ, वहां विकास के वास्तविक विचारकों का अभाव होता है। विकास किसका होना चाहिए? वस्तुओं या उनका उपभोग करने की व्यवस्थाओं का या फिर वस्तु निर्माताओं, प्रयोक्ताओं के व्यक्तित्व का? अपने अस्तित्व के प्रादुभाव से ही मनुष्य अपनी विकास आकांक्षा के प्रति अतिजिज्ञासु रहा है। समझना यही है कि सबसे उपयुक्त व्यक्ति विकास को किस रूप में स्वीकार करता है? क्या वह अपने चारों ओर स्थूल सामग्रियों का अंबार लगाना चाहता है? या युगचक्र की गति के साथ-साथ अपने विचारों को भी बढ़ाना चाहता है? वास्तव में सामग्रियों की अधिकांश उपलब्धता और उनके अनुचित प्रयोग की मानवीय प्रवृत्ति को विकास धारणा के अंतर्गत शुमार नहीं किया जा सकता। सच तो यह है कि विकास व्यक्ति के विचारों का विस्तार है। व्यक्ति अपने जीवन में इतनी विचारशक्ति अर्जित करे कि वह जीवन की सहजता को आत्मसात करने योग्य हो सके। वह छोटे बच्चों को जीवन की इस विद्या का अनुकरण करने की शिक्षा दे। विकास की आध्यात्मिक व्यवस्था मनुष्य को जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य तक पहुंचने में सबसे बड़ा कारक हो सकती है। इस व्यवस्था का प्रतिदिन उन्नयन होना चाहिए और इसमें लोककल्याण का वस्तु-प्रधान मार्ग हमेशा नियंत्रित हो। विकास मानवता में वृद्धि करनेवाला हो, न कि वस्तुओं में।

संपादकीय

कई जगह सरकार और राज्यपाल के बीच तकरार जारी

सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप और नसीहतों के बावजूद तमिलनाडु और केरल में सरकार और राज्यपाल के बीच रिश्ते तकरार के ही बने हुए हैं। केरल के राज्यपाल और मुख्यमंत्री तो अब सार्वजनिक मंचों से भी एक-दूसरे के खिलाफ जुबानी जंग शुरू कर चुके हैं। उस तल्खी में भाषा की मयार्दा भी लांघने की कोशिश नजर आती है। राज्यपाल इस बात से आहत हैं कि केरल सरकार विश्वविद्यालयों के सीनेट सदस्यों के मनोनयन में उनकी अवहेलना कर रही है। उन्होंने खुलेआम कहा है कि वे ऐसे मनोनयन को रद्द कर देंगे। उधर मुख्यमंत्री ने उन्हें ''अवसरवादी'' तक कह दिया। उधर तमिलनाडु के राज्यपाल सरकार द्वारा विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देने के बजाय लटकाए हुए हैं। एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय ने सलाह दी है कि मुख्यमंत्री और राज्यपाल को आमने-सामने बैठ कर अपने मतभेदों को सुलझा लेना चाहिए। हालांकि अदालत यह बात पहले भी कह चुकी है। पंजाब के

मामले में सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यपाल के अधिकारों की व्याख्या करते हुए यहां तक कह दिया था कि इसे सभी राज्यपालों को समझने की जरूरत है। मगर तमिलनाडु के राज्यपाल अपने रुख पर कायम रहे। फिलहाल तमिलनाडु मामले की सुनवाई अगले महीने तक के लिए टाल दी गई है, मगर इसमें भी जो फैसला आएगा, स्पष्ट है कि वही होगा, जो पंजाब के मामले में था। दरअसल, केरल और तमिलनाडु के राज्यपाल इस बात से आहत हैं कि इन दोनों राज्यों की सरकारों ने विधानसभा में विधेयक पारित कर राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति पद से बेदखल कर दिया। हालांकि इन दो राज्यों के अलावा राजस्थान, पश्चिम बंगाल और पंजाब सरकार ने भी इसी आशय का विधेयक पारित किया था। दरअसल, यह झगड़ा इसलिए शुरू हुआ था कि राज्य सरकारों द्वारा कुलपतियों के प्रस्तावित नामों पर राज्यपाल आपत्ति जताने और विश्वविद्यालयों की सीनेट में दखल देने लगे थे। सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से पश्चिम बंगाल और पंजाब में इसे लेकर तकरार थम गई, मगर तमिलनाडु और केरल में बरकरार है। उसी के बहाने दूसरे विधेयकों को भी राज्यपाल लटका देते हैं, जो जनहित से जुड़े होते हैं। तमिलनाडु के मामले में सुनवाई के वक्त सरकार के वकील ने कहा भी कि इस झगड़े को आपस में बैठ कर सुलझाया नहीं जा सकता, अदालत के आदेश से ही इसका निपटारा हो सकेगा। यह विडंबना है कि एक चुनी हुई सरकार के फैसलों में राज्यपाल नाहक हस्तक्षेप कर गतिरोध पैदा करने की कोशिश करें और फिर वह झगड़ा अदालत को सुलझाना पड़े। राज्यपाल के अधिकार संविधान में स्पष्ट वर्णित हैं। उन्हें चुनी हुई सरकार की सलाह और सहयोग से राज्य में संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने का दायित्व है। मगर पिछले कुछ वर्षों से देखा जा रहा है कि जिन राज्यों में केंद्र के विपक्षी दलों की सरकारें हैं वहां राज्यपाल और सरकार के बीच अक्सर तनातनी का वातावरण बन जाता है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अवैध प्रवासियों के आंकड़े

देश के विभिन्न इलाकों में रह रहे प्रवासियों की समस्या किस कदर गहरा चुकी है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आज केंद्र सरकार के सामने उनके सही आंकड़े जुटाना मुश्किल हो चुका है। यह एक तरह से शुरूआती दौर में किसी समस्या की अनदेखी से उपजी हुई मुश्किल है, जो आज जटिल शक्ल अख्तियार कर चुकी है। सोमवार को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे अवैध प्रवासियों के आंकड़े जुटाना संभव नहीं है। इसलिए कि बहुत सारे लोग चोरी-छिपे देश की सीमा में दाखिल होते हैं। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय नागरिकता कानून की धारा 6ए की वैधता पर सुनवाई कर रहा है, जो असम में अवैध प्रवासियों से संबंधित है। हाल ही में अदालत ने केंद्र सरकार से इससे संबंधित आंकड़े मांगे थे कि देश में एक जनवरी 1966 से लेकर 25 मार्च 1971 तक कितने बांग्लादेशी नागरिकों को असम में भारतीय नागरिकता प्रदान की गई। साथ ही अवैध घुसपैठ रोकने के लिए अदालत ने सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में भी पूछा था। शीर्ष अदालत की इस मसले पर केंद्र सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग के पीछे अवैध प्रवासियों की नागरिकता से लेकर उनकी वजह से पैदा होने वाली अन्य समस्याओं पर उठते सवालों का हल निकालने की कोशिश है। मगर अदालत को दिए गए केंद्र सरकार के जवाब से इस समस्या की जटिलता का अंदाजा लगता है। सवाल है कि लंबे समय से देश के भीतर अलग-अलग इलाकों में उनकी पहचान तय कर पाने और उनके आंकड़े जुटाने में इस स्तर की समस्या क्यों खड़ी हुई है! आए दिन अन्य देशों से लगती सीमा को सुरक्षित करने के लिए व्यापक धनराशि खर्च करने और हर स्तर पर उपाय करने के दावे के बीच यह कैसे मुमकिन हो पाता है कि कुछ लोग गुप्त तरीके से भारतीय सीमा में न केवल दाखिल हो जाते, बल्कि अपनी पहचान छिपा कर यहां की आबादी में घुलमिल जाते हैं? ऐसा नहीं है कि भारत में अवैध घुसपैठ के जरिए आने वाले पड़ोसी देशों के लोगों से उपजी समस्या नई है। भारत के पड़ोसी बांग्लादेश से अवैध तरीके से आए प्रवासी पिछले कई दशक से चिंता का कारण रहे हैं और कई बार इसने राजनीतिक मुद्दे की शक्ल भी अख्तियार की। यही नहीं, इस वजह से उपजे हिंसक टकराव में सैकड़ों लोगों की हत्या हो चुकी है। असल में शरणार्थियों से जुड़े मानवाधिकारों के पहलू भी कई बार सरकारों को ज्यादा सख्त होने से रोकते रहे हैं। कभी-कभार पड़ोसी देशों की ओर से देश में घुस आए लोगों को इक्का-दुक्का मामला मान कर नजरअंदाज कर दिया जाता है। मगर सच यह है कि वही अनदेखी बाद में एक जटिल रूप ले लेती है, जब उसकी वजह से कई तरह की मुश्किलें खड़ी होने लगती हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत में अवैध घुसपैठ और प्रवासियों की वजह से कई स्थितियों में आंतरिक सुरक्षा पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। अदालत को दिए गए जवाब में अब केंद्र सरकार ने यह भी कहा है कि अवैध घुसपैठ को रोकने के मकसद से सीमा पर बाड़ लगाई जा रही है। लेकिन घुसपैठ को रोकने के लिए उठाए गए कदमों में इस स्तर की देरी की गई है कि उसकी वजह से देश के भीतर उपजने वाली समस्याओं का कोई ठोस हल निकालना एक बड़ी चुनौती है।

श्री गोविन्द देवजी के दर पर श्रीजी महाराज ने गाई श्री मदभागवत कथा

भक्तिमार्ग का ज्ञान प्रदान करती है श्रीमद्भागवत: श्रीजी महाराज, भक्तों को सुनाई भागवत महात्म्य और परीक्षित शुकदेव मिलन की कथा। भव्य लवाजमे के साथ गाजे बाजे से निकली भव्य शोभायात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री निंबार्क तीर्थ किशनगढ़ के पीठाधीश्वर अनंत श्री विभूषित जगतगुरु श्री निंबाकाचार्य श्री श्रीजी महाराज श्री श्याम शरण देवाचार्य जी ने शनिवार को श्री गोविन्द देव जी के मंदिर स्थित सत्संग भवन में श्रीमद् भागवत महापुराण महात्म्य और परीक्षित शुकदेव मिलन की कथा सुनाई। महाराजश्री ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा भक्ति मार्ग का ज्ञान प्रदान करती है। इससे पहले श्री आनन्द कृष्ण बिहारी मंदिर से 51 कलशों की भव्य मंगल यात्रा गाजे बाजे के साथ कथा स्थल सत्संग भवन श्री गोविन्द देव जी मंदिर पहुंची। श्री गोविंद देव जी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी और सुपुत्र युवराज

मानस गोस्वामी के सानिध्य में जयपुर में पहली बार प्रारंभ हुई श्रीजी महाराज की श्रीमद् भागवत कथा में विभिन्न मंदिरों के महंत और पीठाधीश्वर के अलावा एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और वैष्णव श्रोता उपस्थित रहे। कथा आयोजक ब्रजकिशोर 'बिरजू' गोयल ने बताया कि श्री गोविंद देव जी में यह भागवत उत्सव 22 दिसम्बर तक चलेगा। कथा रोजाना दोपहर 2बजे से शाम 6 बजे तक होगी। भागवत ज्ञानयज्ञ में 108 विद्वान अष्टोत्तर शत भागवत पाठ का मूल पाठ कर रहे हैं। रविवार, 17 दिसंबर को देवहुति कपिल संवाद होगा। इसी प्रकार 18 दिसंबर को ध्रुव चरित्र एवं प्रहलाद चरित्र की कथा होगी। 19 दिसंबर को श्री राम अवतार, श्री कृष्ण जन्म एवं नंद उत्सव का आयोजन होगा। 20 दिसंबर को श्री कृष्ण बाल लीला एवं श्री गिरिराज पूजन का भक्तजन आनंद उठाएंगे 21 दिसंबर को महारास एवं रुक्मणी मंगल कथा सुनाई जाएगी। 22 दिसंबर को महारास के साथ श्री कृष्ण- सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष की कथा होगी। इसी दिन कथा की पूर्णाहुति होगी।

बलकार सिंह थिंद चुने गए बार एसोसिएशन ऐलनाबाद के प्रधान

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शुक्रवार देर सायं बार एसोसिएशन ऐलनाबाद के प्रधान, उपप्रधान व सचिव के पदों के लिए चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गये। इस विषय में जानकारी देते हुए बार एसोसिएशन के निवर्तमान सचिव एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह भादू ने बताया कि बार एसोसिएशन ऐलनाबाद में कुल 145 मतदाता हैं और इन चुनावों में 145 मतदाताओं में से कुल 139 मतदाताओं ने अपने अपने मत का प्रयोग किया और एक मतदाता का मत रद्द हो गया। बार एसोसिएशन के उपरोक्त चुनाव में प्रधान पद के लिए एडवोकेट बलकार सिंह थिंद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रविकरण गिजवानी को 44 मतों से, उपप्रधान पद के लिए एडवोकेट महावीर प्रसाद ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विवेक शेखावत को 8 मतों से व सचिव पद के लिए एडवोकेट मोहित शर्मा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विष्णु शर्मा को 1 मत से पराजित कर विजय हासिल की। प्रधान पद के प्रत्याशी बलकार सिंह थिंद को 91 मत व रविकरण गिजवानी को 47 मत प्राप्त हुए।उपप्रधान पद के प्रत्याशी महावीर प्रसाद को 72 मत व विवेक शेखावत को 64 मत प्राप्त हुए जबकि 2 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। सचिव पद के प्रत्याशी मोहित शर्मा को 69 मत व विष्णु शर्मा को 68 मत प्राप्त हुए जबकि 2 मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। उल्लेखनीय यह है कि अधिवक्ताओं की बार एसोसिएशन की प्रधान, उपप्रधान व सचिव पद की इस कार्यकारिणी का चुनाव एक वर्ष के लिए हुआ है।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव पात्र चयन कार्यक्रम का जैन मंदिर में हुआ आयोजन

महोत्सव में रिंकेश जैन बड़जात्या बनेंगे सोधर्म इंद्र

कामां. शाबाश इंडिया

कस्बे के शांतिनाथ दिगंबर जैन दीवान मंदिर के प्रांगण में स्थित विजयामती स्वाध्याय भवन में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पात्र चयन कार्यक्रम का आयोजन वीर चंद जैन बड़जात्या दिल्ली की अध्यक्षता एवं सुभाष चंद्र जैन अगोनिया जैन,गजेंद्र जैन,महावीर प्रसाद जैन,सुभाष जैन बिजली वाले,कपूर चन्द जैन,सुरेश चन्द जैन अगोनिया के आथित्य में आयोजित हुआ। महोत्सव समिति के महामन्त्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि आगामी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु पात्रों के चयन किये गए तो भगवान के माता पिता वीरचन्द जैन, उषा जैन बड़जात्या दिल्ली,सौधर्म इंद्र रिंकेश जैन दीपा जैन चयनित किये गए तो वही अन्य प्रमुख पात्रों में वैभव जैन रिया जैन धनपति कुबेर, पारस जैन मीरा जैन जयपुर महायज्ञ नायक ,दीपक जैन दीपाली जैन ईशान इंद्र,रवि जैन अंजली जैन सानत इंद्र व राजेन्द्र जैन कविता जैन माहेन्द्र इंद्र चयनित किये गये। कार्यक्रम का

संचालन दीपक जैन सर्राफ व संजय सर्राफ ने किया तो वहीं उदयभान जैन जयपुर,प्रवीण जैन बड़जात्या,विकास मोनू जैन ने पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अन्य पात्रों का चयन भी किया गया तो वहीं समाज का आह्वान किया कि महोत्सव को सभी बड़े उत्साह एवं सहयोग के साथ आयोजित करें। कार्यक्रम में जैन समाज के स्त्री पुरुष व बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नेट थिएट पर संतूर राग

संतूर की मधुर ध्वनि से मौसम की रंगत बदली

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज युवा कलाकार नसरुद्दीन खान ने संतूर पर अपनी उंगलियों का ऐसा जादू चलाया कि दर्शक वाह-वाह कर उठे। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया की कलाकार नसरुद्दीन ने संतूर पर राग जोग में जोड़ आलाप, तान और झाला बजाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया ।उन्होंने सर्द मौसम में जब संतूर पर सप्तक के तार छेडे तो मौसम में गर्महॉट के एहसास पर उनकी उंगलियों का ऐसा जादू चला कि लोग मंत्रमुग्ध हो गए। इनके साथ तबले पर युवा तबला वादक नरेंद्र सिंह एवं सोहेल वारसी ने सुरीली संगत से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ रंगकर्मी मनोज स्वामी ने किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डागी और गुलाम फरीद, प्रकाश व्यवस्था सागर गढ़वाल, कैमरा मनोज स्वामी, मंच सज्जा मनीष एवं अंकित शर्मा नोनू, जीवितेश शर्मा की रही ।

अहिंसा भवन की चंदनबाला महिला मण्डल ने समाज की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। श्री चंदनबाला महिला मंडल शास्त्री नगर अहिंसा भवन का कुमुद विहार में शनिवार को रूबरू कार्यक्रम में नई सदस्यों का अभिनंदन एवं महिलाओ में जागृति लाने के लिए मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल के नेतृत्व में मंत्री रजनी सिंघवी संरक्षिका मंजु पोखरना,मंजु बाफना, कोषाध्यक्ष सुनीता झामड़,उपाध्यक्ष वनिता बाबेल, अंजना सिसोदिया,संतोष सिंघवी,सह मंत्री वंदना लोढ़ा,रश्मि लोढ़ा,सरोज मेहता, लाड़ मेहता,स्मिता पीपाडा,शशि पोखरना, अंजना छाजेड,लाड़ पीपाड़ा,अन्नू बाफना, कविता नाहर,मंजु बंब,संगीता सोनी,विपुला जैन,मीना कोठारी,लाड़ बाबेल,निर्मला बुलिया आदि सभी पदाधिकारियों ने नारी शक्ति के उत्थान और आत्म निर्भर बनाने के साथ ही समाज की महिलाओं को रूबरू कार्यक्रम में आगे बढ़ाने का सर्व सहमति से निर्णय लेतें हुए एकजुट होकर मंडल को मजबूत बनाने का सकल्प लिया गया। नीता बाबेल रजनी सिंघवी,स्मिता पीपाड़ा लाड़ मेहता आदि ने विचार व्यक्त करतें हुए कहां कि आज की नारी ही नारी की दुश्मन बनी हुई है। यदि सास बहू को बेटी और बहू सास को मां समझने लग जाए तो वो दिन दूर नहीं जब घर और समाज का उत्थान होने मे ज्यादा समय नहीं लगेगा। इस दौरान तंबोला, गीत, संगीत,डांस,चेयर रेस आदि कई मनोरंजक प्रतियोगिताओ मे ब रखी गई। कार्यक्रम प्रश्चात नीता बाबेल ने सभी का आभार व्यक्त किया। **-प्रवक्ता निलिष्का जैन**

मुर्शिदाबाद में हुआ तीन संघों का मिलन

मुर्शिदाबाद. शाबाश इंडिया। मुर्शिदाबाद जिले के इतिहास में पहली बार तीन संघों का आगमन जिले के अलग अलग स्थान से हुआ। प्रयागराज जैसे - जहाँ तीन नदियों का संगम स्थल है- गंगा - जमुना - सरस्वती. वो भी तीर्थंकर भगवान महावीर के 2550 निर्वाण वर्ष में. एतिहासिक सन्धिक्षण में हुआ है। आचार्य शीतल सागर महाराज का संघ आगमन तथा दूसरी तरफ आर्यिका विदूषी श्री माताजी संघ व पहले से ही आर्यिका विन्ध्य श्री माताजी संघ जिला में विराजमान है। ज्ञात हो सन. 2002 से आचार्य प्रसन्न सागर महाराज की प्रेरणा से मुर्शिदाबाद जिले के सब गांव एकसूत्र में जुड़े हुए है। जिले की एकता व अखंडता एक नजीर है।

संकलन : संजय कुमार जैन बड़जात्या

sdmh
the hospital that cares

Love All, Serve All
MAHAVIR INTERNATIONAL
Live and Let Live

SANTOKBA DURLABHJI MEMORIAL HOSPITAL, JAIPUR

is organising a

Free Medical Camp

In association with

Mahavir International Association

Date - 17/12/2023
Timing - 10:00am to 01:00 pm
Venue - Mahvir International Association Bhawan, S-10, Janta Colony, Jaipur

Contact person- Mr. Subhash Golecha (9414071715)
Mr. Anil Vaidya (9829828889)

DOCTORS:

Ophthalmologist
Dr. Nitesh Bansal

Orthopedician
Dr. Manish Jangir

Physician
Dr. Lokendra Mishra

Bhawani Singh Marg, Rambagh Circle, 302015
Phone:0141- 3524444 | E-mail:info@sdmh.in

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

सिगरेट और पत्नी,, दोनों ही.. स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं है, बशर्ते है कि - आप जब तक उन्हें सुलगाते नहीं है..!

ईर्ष्या और द्वेष के कारण स्त्री अपने व्यक्तित्व को निखार नहीं पाती और अहंकार के कारण पुरुष अपनी अहमियत को मिटा देता है। पुरुष अहंकार से भरे हैं,, तो स्त्री ईर्ष्या और द्वेष से भरी है। जब मनुष्य -- अपनी जाति की, अपने वर्ण की, अपने धर्म की, अपने कुल परिवार की, अपने पन्थ और सम्प्रदाय की,, तो तुम क्या कर रहे हो ? तुम प्रकारांतर से अपने अहंकार की प्रशन्सा कर रहे हो। यह आत्म प्रशन्सा करने का या अपने अहंकार को दिखाने का एक जरिया है। स्त्री के सूक्ष्म मन के कोने कोने में ईर्ष्या और द्वेष भरे पड़े हैं। स्त्री को ईर्ष्या और द्वेष ने चारों तरफ से जकड़ लिया है। जब तक स्त्री के मन से ईर्ष्या और द्वेष नष्ट नहीं होगा,, तब तक जीवन में सुख शान्ति, प्रेम सम्मान मिलने वाला नहीं है। स्त्री का सारा जीवन तनाव पूर्ण हो गया और मन का सब स्ट्रेन्ज से भर गया। जीवन में सुख शान्ति आनंद प्रेम के फूल कैसे खिलेंगे- ? ईर्ष्या द्वेष के रहते स्त्री के जीवन में कभी निखार नहीं आ सकता। यह वक्त ईर्ष्या करने का नहीं, बल्कि ईश्वर से प्रार्थना करने का है कि - हे परमात्मा ! आप मुझे इन विकृतियों से मुक्त करो... !!!!

नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा इस सीजन 455 कम्बलों का वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। ''कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट'' दीन-दुखियों लाचार व जरूरतमंदों की सेवा के लिए ने सदा तत्पर रहा है। फिर चाहे वो शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा दिलाना हो, भोजन से वंचित जरूरतमंदों को भोजन पहुंचाना हो, गर्मी के दिनों में चप्पल पहनाना हो या फिर सर्दियों में ठिठुरते लोगों को कम्बल ओढ़ाना हो। संस्थान ने हर बर्ष की भांति इस वर्ष भी जरूरतमंद लोगों को आप के सहयोग से अमावस्या, 12 दिसम्बर को 355 कम्बलों का वितरण किया गया। इसी क्रम में के. आर. महेश्वरी एवं नौरतमल जैन के सहयोग से शुक्रवार 15 दिसंबर रात्रि 12 बजे फुटपाथ पर सो रहे जरुरतमंदों को कथा वाचक मोहित मुदगल महाराज के कर कमलों से संस्थान ने 100 कम्बल ओढ़ाऐ। अब इस सीजन में ओढ़ाएं गये कम्बलओं की कुल संख्या 455 हो गई है।

नव निधि राय जी लुहाड़िया का 102 वर्ष की आयु में निधन

जौहरी बाजार में घी वालों के रास्ते स्थित चाकसू के चौक निवासी श्री नव निधि राय जी लुहाड़िया का 102 वर्ष की आयु में आज 15 दिसंबर को निधन हो गया । उनका जन्म 1921 में हुआ, कुल पांच भाइयों का परिवार, चाकसू के चौक में ही रहता था। बाबूजी ए जी ऑफिस में एकाउंट्स ऑफिसर के पद से सेवानिर्वित हुए थे। उसके पश्चात नसिया जी में 5 साल मैनेजर के पद पर कार्य किया। आपके परिवार में तीन बेटे वह एक बिटिया हैं। बड़े बेटे इंजीनियर राजेंद्र लुहाड़िया व उनकी धर्मपत्नी डॉक्टर प्रभा लुहाड़िया , दूसरे बेटे नरेंद्र - उर्मिला, सबसे छोटे बेटे वीरेंद्र- अंजली , बेटी राजकुमारी - पदमराय वेद हैं । इस उम्र में भी उनमें हिम्मत इतनी थी कि वे अपने सारे घर के काम समान लाना , ले जाना वह स्वयं ही करते थे। किसी को भी अपने काम के लिए नहीं बोलते थे। जज्बा ऐसा कि 90 वर्ष की उम्र में उन्होंने गाड़ी चलाना सीखा था। खाना भी वह खुद के हाथ से ही बनाते थे। पिछले कुछ समय से वह अपने छोटे बेटे वीरेंद्र के यहां जवाहर नगर में रह रहे थे। पिछले दो दिन से वह अपने आप को थोड़ा थका हुआ महसूस कर रहे थे इसलिए उनको मोनिलेक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। अस्पताल जाने से 2 दिन पहले ही वह चाकसू के चौक से अपना कुछ सामान स्वयं ऑटो रिक्शा में लेकर जवाहर नगर आए थे । उनकी श्रद्धांजली सभा (तीए की बैठक) रविवार, 17 दिसंबर को प्रातः 9 बजे भट्टारक जी की नसिया नारायण सिंह सर्किल पर होगी।

संकलन : विनोद जैन

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री गणेश जी राणा — पुण्यतिथि विशेषांक — श्री गणेश जी राणा

श्री गणेश जी राणा का जन्म चूलगिरि, खानियाँ जी में विशाल एवम् भव्य नशियाँ जी का निर्माण कराने वाले जयपुर के अत्यन्त प्रतिष्ठित परिवार के श्री चाँद विहारी लाल की धर्मपत्नी श्रीमती सीतादेवी की पावन कुक्षि से दि. 27 अगस्त, 1949 को हुआ था। वे बाल्यकाल से ही अत्यन्त कुशाग्रबुद्धि थे।

परिवार में वातावरण की अनुकूलता के कारण उन्होंने बी.काम.तक की शिक्षा उच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण कर सी. ए. परीक्षा पास करने की ठान ली और जैसा कि महापुरुषों का जन्मजात गुण होता कि जो काम भी हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके ही दम लेते हैं और उन्होंने सी.ए. परीक्षा उत्तीर्ण करके अपने महापुरुषत्व को सिद्ध की कर दिया।

सी.ए. जैसी उच्च शिक्षा प्राप्ति के उपरान्त आपने किसी कम्पनी में अपनी सेवाएँ प्रदान करने के बजाय अपने पैतृक व्यवसाय—कलात्मक वस्त्र निर्माण एवं निर्यात को संभाला। अपनी उत्कृष्ट योग्यता, कठोर परिश्रम और श्रेष्ठ प्रबन्धन कौशल के द्वारा अपने व्यापार को अमेरिका, जापान और यूरोप के कई देशों तक पहुँचाया और भारत को निर्यात क्षेत्र में ऊँचाईयाँ प्रदान की। वे अपने आप में एक चलती फिरती संस्था थे। अखिल भारतीय वैश्य महासभा, अ.भा. अग्रवाल समाज, समग्र जयपुर जैन समाज के शीर्ष स्तम्भ थे अनेक संस्थाएँ उनके योगदान और उनके सान्निध्य से सनाथ हो जाती थी। इन संस्थाओं के अध्यक्षादि उच्च पदों को आपने अनेकशः सशोभित भी किया।

जयपुर नगर में कोई भी राष्ट्रीय या महत्त्व पूर्ण बृहद् आयोजन उनके बिना संभव ही नही था। आचार्य विद्यासागर जी महाराज, ऐलाचार्य विद्यानन्द जी महाराज, आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज, क्रान्तिकारी सन्त तरुणसागर जी महाराज, मुनिश्री पुलकसागर जी महाराज आदि के महत् चातुर्मासों की सफलता की प्रमुख श्रेय उनके नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं आर्थिक योगदान को जाता है। 1996 में जब मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज की ऐतिहासिक चातुर्मास हुआ तब आपने ही उसकी बागडोर संभाली और चातुर्मास को उच्च कोटि की सफलता तक पहुँचाया। और जब मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने इस चातुर्मास में श्रमण संस्कृति के संरक्षण एवं विश्वव्यापी प्रचार हेतु जयपुर में एक संस्थान की स्थापना की प्रेरणापूर्ण उद्बोधन दिया तब आपने सबसे पहले सर्वविध सहयोग का वचन दिया और पूज्यश्री के शुभाशीष से आप श्रमण संस्कृति संस्थान के स्थापना काल से ही अध्यक्ष पद गौरवान्वित कर रहे थे। इस संस्थान द्वारा देश के साथ विदेश के अनेक नगरों में जैनधर्म की पताका फहरायी गयी। आपके उक्त कार्य में पं.श्री रतनलाल बैनाडा डॉ. शीतलचंद जैन एवम् समाजभूषण श्री राजेन्द्र के. गोधा का सर्वविध मार्गदर्शन एवम् सहयोग प्राप्त हुआ।

आपकी निस्पृह सेवाओं एवं सहयोग के कारण रामानंदाचार्य संप्रदाय के विख्यात आचार्य नारायणदास जी महाराज का आप पर सदा वरदहस्त रहा और उनके भक्तों में अग्रणी पंक्तिके श्रेष्ठी थे। न केवल जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना अपितु विश्वविद्यालय में श्रमण विद्या संकाय तथा आचार्यज्ञान सागर जैन दर्शन जी की स्थापना आपके सहयोग से सम्पन्न हुयी। इस सबके अतिरिक्त आप अत्यन्त स्नेहशील, सततसहयोगी, विनम्र हँसमुख, दया, दाक्षिण्य गुणों से युक्त उच्च कोटि के महा—मानव थे। उनको अन्दर और बाहर के रुप में कोई अन्तर नहीं था। ऐसी निश्छलता आज के युग में दुर्लभ है। वे अपने पीछे अपनी दो बहिनें तथा पत्नी एक पुत्र एवम् दो पोत्रों से युक्तसंस्कारशील परिवार छोड़ गये हैं। उनकी धर्मपत्नी श्री रेणु जी, पुत्र श्री मोहित जी आ. राणा जी के समान धर्म परायण, समाज सेवी एवम् दया—दाक्षिण्यादि गुणों से समन्वित हैं। वे अवश्य ही राणा जी के अधूरे कार्यो को पूरा करेंगे तथा उन्हीं के समान समाज और संस्कृति की सेवा में योगदान देते रहेंगे।

आज उनकी तृतीय पुण्यतिथि है उनके प्रति निम्न पद्य द्वारा श्रद्धांजलि—

वदनं प्रसादसदनं, सदयं हृदयं सुधामुचो वाचः।
करणं परोपकरणं, येषां केषां न वन्द्याः॥

आपके द्वारा किये गये समाजिक कार्यों को समाज कभी नहीं भूल पायेगा।

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे आदरणीय एवं संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी संस्था के सदस्य

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान,
संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
सांगानेर, जयपुर

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे परम आदरणीय हँसमुख व्यक्तित्व के धनी परम गुरू भक्त

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

नन्द किशोर-शांता देवी पहाड़िया
प्रमोद-नीना पहाड़िया
सुनील-निशा पहाड़िया
M/S ARL & Akshat Group

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे आदरणीय

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

त्रिशला गोधा
शेलेन्द्र-प्रियंका, निशांत गोधा
दैनिक समाचार जगत परिवार

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे आदरणीय

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

दर्शन-विनीता बाकलीवाल (बस्सी वाले)
विनोद (मोनू)-रविना छाबड़ा
प्रदीप-विजयलक्ष्मी लुहाडिया
अजय-माया कटारिया, यश पहड़िया

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे आदरणीय

श्री गणेश जी राणा

"आप हमारे प्रेरणास्रोत व मार्गदर्शक बनकर सदैव हमारे हृदय में रहेंगे"

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

शिखर चंद-सुशीला बैराठी,
विकास-निधी बैराठी
माधव-मृदुल बैराठी

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे क्षेत्र के परम संरक्षक

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर
संघीजी, सांगानेर

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे क्षेत्र को हमेशा तन-मन धन से सहयोग करने वाले
हमारे परम आदरणीय

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री दिगंबर जैन पारसनाथ तीर्थ क्षेत्र कमेटी बिजोलिया,
आचार्य विद्यासागर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बिजोलिया,
एवं समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी, सकल दिगंबर जैन समाज मेवाड़ प्रांत

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे परम आदरणीय एवं दानवीर भामाशाह

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

संत सुधा सागर
पब्लिक सी.सै. स्कूल, टोंक

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे क्षेत्र को हमेशा सहयोग देने वाले भामाशाह

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन
सुदर्शनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र आंवा,
समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य प्रबंधकारिणी कमेटी,
जिला टोंक (राज.)

तृतीय पुण्यतिथि

हमारे आदरणीय हसंमुख व्यक्तित्व के धनी
परम गुरू भक्त

श्री गणेश जी राणा

की तृतीय पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्री चॅवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन
'देशनोदय' अतिशय तीर्थ क्षेत्र चैनपुरा,
एवं समस्त कार्यकारणी समिति, भीलवाड़ा राजस्थान

आपकी मधुर मुस्कुराहट
आपकी जिंदादिली
आपके आदर्श व कर्तव्यनिष्ठा
आपकी ईश्वर भक्ति व गुरुसेवा
आपके सद्विचार
आपका कठिन परिश्रम
आपका प्रेरणा दायक चरित्र
आपका सादा जीवन
हमारे लिए प्रेरणा
ऊर्जा एवं शक्ति है

तृतीय स्मरण दिवस पर
आपको कोटि-कोटि नमन

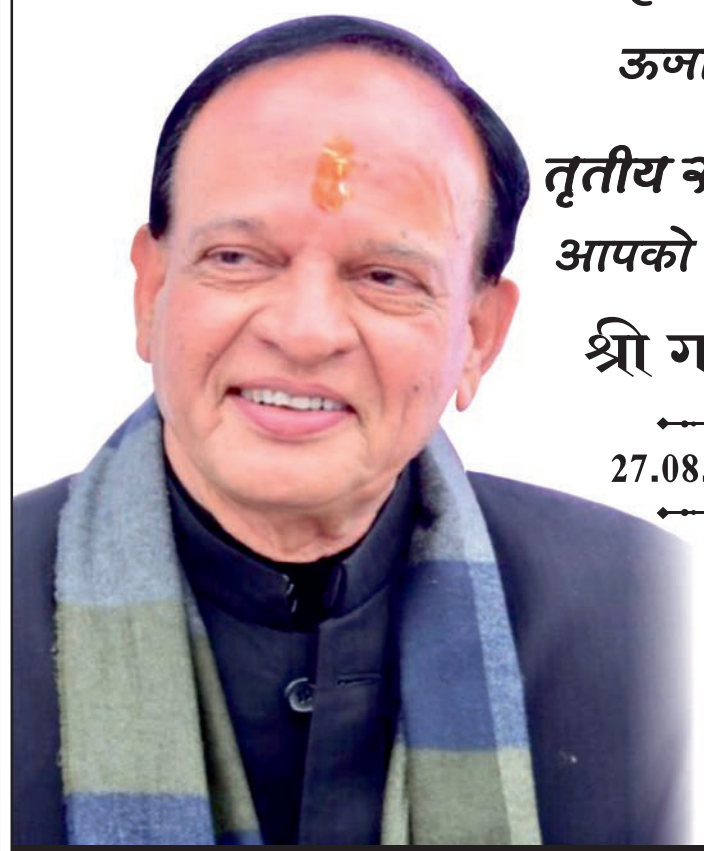

श्री गणेश राणा जी

27.08.1949- 17.12.2020

ATUL

पूर्णिमा हैण्डीक्राफ्ट्स प्रा.लि. | रघुराज एक्स्पोर्टस | पचौली, जयपुर
एवं समस्त राणा परिवार

दानवीर भामाशाह थे सेठ भंवरलाल गोठी

गोठी स्कूल में समारोहपूर्वक हुआ प्रतिमा अनावरण, हर्षोल्लास से मनाया रजत जयंती समारोह

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर । श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति की ओर से संचालित भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल ने सफलतम 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस खास अवसर पर शनिवार को रजत जयंती समारोह हर्षोल्लास से मनाया। समिति मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने विद्यालय की रजत वर्षगांठ पर हर्ष प्रकट करते हुए कहा कि भामाशाहों के सहयोग, शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ के समर्पण एवं अभिभावकों के भरोसे से वर्द्धमान शिक्षण समिति उत्तरोतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। समारोह में भंवरलाल गोठी स्कूल के नामकरण लाभार्थी, स्वपनद्दष्टा, दानवीर भामाशाह सेठ भंवरलाल गोठी की प्रतिमा का अनावरण समारोहपूर्वक किया। विद्यालय निदेशक डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम अध्यक्ष मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस एम.एन. भंडारी, मुख्य अतिथि केजीके ग्रुप चेयरमैन समाजसेवी नवरतन कोठारी एवं विशिष्ट अतिथि जयपुर के उद्योगपति विनयचंद प्रकाशचंद कोठारी एवं चैन्नई के समाजसेवी गौतमचंद अजीत कुमार गोठी ने प्रतिमा अनावरण किया। इसके तत्काल बाद अतिथियों के साथ चेन्नई से पधारे भामाशाह रिखबचंद बोहरा ने लिफ्ट का लोकार्पण किया। जयपुर से पधारे भामाशाह धमीचंद विनायकिया व गौतमचंद विनायकिया ने नवसज्जित प्रशासनिक कक्ष का उद्घाटन किया। चैन्नई से पधारे भामाशाह रतनलाल कोठारी एवं जवाजा से पधारे भामाशाह दुलराज रूणीवाल ने नवसज्जित कक्षा कक्ष का लोकार्पण किया। समिति अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया, मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख, विद्यालय निदेशक डॉ. आर.सी. लोढ़ा, विद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा, उप प्राचार्य सुनीता चौधरी ने अतिथियों और भामाशाहों का सम्मान किया। समारोह में सेठ भंवरलाल गोठी के जीवन पर आधारित चलचित्र का प्रसारण भी किया। अंत में विद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार शर्मा ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन सुमित सारस्वत, मैरी डेनियल व ज्योति चौहान ने किया। कार्यक्रम में अरिहंत गोठी, गौतमचंद बोहरा, उत्तमचंद देरासरिया, प्रिंस ओस्तवाल, अतुल कांकरिया, महेंद्र सांखला, देवराज लोढ़ा, अशोक सुराणा समेत देशभर से पधारे अतिथि, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।